आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 143 | उज्जैन, बुधवार 16 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

न्यूनतम शुल्क में अधिकतम उपचार सुविधाएं देना मानवता की है सच्ची सेवा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर की सेवा से ही नारायण मिलते हैं। गरीबों की सेवा ही ईश्वर की आराधना है। न्यूनतम शुल्क में अधिकतम उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने की मंशा से हॉस्पिटल का निर्माण मानवता की सच्ची सेवा की ओर बढ़ाया गया एक सराहनीय कदम है। हॉस्पिटल संचालक बधाई और साधुवाद के पात्र हैं कि उन्होंने यह पुनीत कार्य प्रांरभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय से एक निजी अस्पताल के शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लांबाखेड़ा स्थित जीवन मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर का वर्चुअली लोकार्पण कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल संचालक डॉ. अनिल मीणा ने अपने पिताजी स्व. श्री जीवन सिंह मीणा की स्मृति में 100 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण कर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य उपचार की निकटतम सुविधा प्रदान की है। यह अस्पताल लांबाखेड़ा और आसपास के 100 गावों के लिए एक महत्वपूर्ण चिकित्सा केंद्र होगा, जहां एक ही छत के नीचे मरीजों को सभी प्रकार की इमरजेंसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण और गरीब जनता को न्यूनतम शुल्क में इलाज की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हॉस्पिटल संचालक और उनके पूरे परिवार को बधाई देते हुए कहा कि डॉ. मीणा ने अपने स्व. पिता के सपने को साकार कर दिया।

इस हॉस्पिटल में सभी प्रकार के बड़े आपरेशन की सुविधा, पेट से संबंधित रोग, प्लास्टिक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, सभी प्रकार के कैंसर रोगों का इलाज, पथरी, हड्डी रोग का इलाज किया जाएगा। जले हुए मरीज के इलाज के लिए विशेष सुविधा भी यहां उपलब्ध है। गरीबी रेखा में आने वाले मरीजों को यहां इलाज में विशेष छूट दी जाएगी। इस अस्पताल में 24 घंटे इमरजेंसी एम्बुलेंस की सुविधा सहित यहां मेडिकल एवं सर्जीकल आईसीयू भी उपलब्ध है।

अंबेडकर जयंती पर भारत मंडपम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 अप्रैल को देश भर में अंबेडकर जयंती का पर्व काफी धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने इस खास मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय भातीय संविधान की 75 वर्षों की यात्रा चुना गया था। कई बड़ी हस्तियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके साथ ही यह पहली बार था जब आयोग ने इतने बड़े पैमाने पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के दौरान आयोग की नई वेबसाइट का भी अनावरण किया गया है।

कार्यक्रम में कौन-कौन हुआ शामिल- भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय सामाजिक न्याय एंव आधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार थे। इसके अलावा संसदीय कार्य एंव विधि एंव न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। इसके अलावा ह्यूमन राइट्स के अध्यक्ष किशोर मकवाना, आयोग के सदस्य श्री लव कुश कुमार और श्री वड्डापल्ली रामचंदर भी कार्यक्रम में शामिल थे।

स्टालिन ने की तमिलनाडु को अधिक स्वायत्तता देने की वकालत, विधानसभा में प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। अब उन्होंने राज्यों को अधिक स्वायत्तता देने की वकालत की। तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के बीच विधेयकों की मंजूरी को लेकर छिड़ी जंग के बीच एमके स्टालिन के बयान ने नई बहस छेड़ दी है।

पूर्व न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ करेंगे अध्यक्षता- सीएम स्टालिन ने एक उच्च स्तरीय समिति के गठन के उद्देश्य से विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। यह समिति राज्य की नई स्वायत्तता की सिफारिश करेगी। समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ करेंगे। इसमें सेवानिवृत्त आईएएस अशोक वर्धन शेट्टी और नागराजन भी शामिल होंगे।

दो साल के भीतर सौंपनी होगी पूरी रिपोर्ट- जनवरी 2026 तक समिति रिसर्च करके अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपेगी। अपनी रिपोर्ट में समिति केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने की सिफारिश भी करेगी। दो साल के भीतर समिति को अपनी पूरी रिपोर्ट पेश करना होगा।

8वीं के छात्र ने क्लासमेट पर चाकू से किया हमला, फिर थाने पहुंच कर किया सरेंडर; जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां पर एक विद्यालय के कक्षा 8 के एक छात्र पर मंगलवार को उसके सहपाठी ने कथित तौर पर किसी हथियार से हमला कर दिया। इस हमले का कारण छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में हमला करने वाले छात्र ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पूरी घटना दो महीने पहले पेंसिल को लेकर हुए झगड़े से शुरू हुई है। छात्र पर दूसरे छात्र द्वारा यह हमला विद्यालय परिसर में सुबह करीब 10 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि शुरुआती मतभेद के बाद से ही दोनों छात्रों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। मंगलवार को दोनों के बीच फिर झगड़ा हुआ था।

चाकू से हमला करने का आरोप- बताया जा रहा है कि छात्र विद्यालय परिसर में चाकू ले कर आया था। इसके बाद उसने अपने सहपाठी पर कथित तौर पर इसी से हमला कर दिया। इस हमले के कारण छात्र को गले, कंधे और उसके हाथ पर गंभीर चोटें आई हैं।

इस दौरान घायल छात्र को बचाने के लिए क्लास टीचर भी आईं, उन्हें भी इस हमले में गंभीर चोटें आई हैं। घायल छात्र और शिक्षिका दोनों को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां पर दोनों का उपचार चल रहा है। घटना के बाद, आरोपी छात्र चाकू लेकर स्कूल से सिर्फ 200 मीटर दूर, पास के पलायमकोट्टई पुलिस स्टेशन पहुंचा और अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

मां की याद आ रही, स्कूल से लौटा तो घर पर नहीं दिखी मम्मी; ढूंढते हुए मुंबई से झांसी पहुंचा बच्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई से एक बच्चा अपनी मां को खोजता हुआ लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस में सवार हो गया। ट्रेन में सवार होने के बाद वह इसके हर कोच में मां को खोजता रहा। रास्ते में टीटीई की नजर पड़ने के बाद उसे झांसी में उतारकर आरपीएफ को सुपुर्द कर दिया गया। जब बच्चा थाने पहुंचा तो यहां पुलिसकर्मियों को देखकर रोते हुये कहने लगा।

मां की याद आ रही है, मुझे घर जाना है- ठाणे (महाराष्ट्र) निवासी 6 वर्ष का बालक विक्रम स्कूल से घर पहुंचा। यहां मां के न मिलने पर वह बेचैन होकर स्टेशन पहुंच गया। पहले तो उसने स्टेशन पर मां को खोजा, लेकिन मां उसे कहीं नजर आयी। वह प्लैटफॉर्म पर मां को हर जगह देख रहा था, और यहां उसकी नजर लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस को खड़ी ट्रेन पर पड़ी। वह इसमें सवार हो गया। यहां वह मां को खोज रहा था कि ट्रेन चल पड़ी। इसके बाद वह उतर नहीं पाया। रास्ते में ट्रेन के रुकने पर उसने उतरने का प्रयास भी किया, लेकिन डर के मारे नहीं उतरा। इसके बाद उसकी आंख लग गई। इस दौरान जब भी उसकी आंख खुलती, वह इस कोच से उस कोच में अपनी माँ को खोजता फिरा। यह सिलसिला इटारसी तक ऐसे ही चला और आश्चर्य कि इस दौरान किसी टीटीई ने उससे कोई पूछताछ नहीं की। इटारसी में टिकट चेक करने पहुंचे टीटीई मुकेश गौतम की नजर उस पड़ी तो उसके हावभाव देखकर उससे बात की।

मंदिर के मलबे में मिली मां-बेटी की लाश, घर में बिखरे खून के छींटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुसौरा थाना क्षेत्र में एक मां-बेटी को मौत के घाट उतार दिया गया है। दोनों का शव निर्माणाधीन मंदिर के मलबे में दबा मिला। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिल रहा है। वहीं, पुलिस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है। मलबे में मिली लाशों की पहचान हो चुकी है। मृतक महिला का नाम उर्मिला सिदार और बेटी का नाम पुष्पा सिदार बताया जा रहा है।

बंगाल हिंसा में बांग्लादेशी कनेक्शन? क्या स्थानीय नेताओं ने तैयार की जमीन, केंद्र की पैनी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में भड़की हिंसा को लेकर अब केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि इस हिंसा में बांग्लादेशी अराजक तत्वों का हाथ हो सकता है। बताया जा रहा है कि इन बाहरी तत्वों को शुरू में कुछ स्थानीय नेताओं का समर्थन भी मिला, लेकिन बाद में हालात उनके काबू से बाहर हो गए। गृह मंत्रालय ने हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद के साथ-साथ बंगाल के अन्य संवेदनशील जिलों पर भी नज़र रखने के आदेश दिए हैं। गृह सचिव गोविंद मोहन ने शनिवार को राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी से बात कर स्थिति की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया।

बीएसएफ की तैनाती - स्थिति को संभालने के लिए केंद्र ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 9 कंपनियां मुर्शिदाबाद में तैनात की हैं, जिनमें 900 से ज्यादा जवान शामिल हैं। इनमें से 300 जवान पहले से जिले में मौजूद थे, जबकि अतिरिक्त कंपनियां राज्य सरकार की मांग पर भेजी गई हैं।

हुईं 150 से ज्यादा गिरफ्तारियां - राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने बताया कि मुर्शिदाबाद की स्थिति अब नियंत्रण में है, लेकिन माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। अब तक 150 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी के अनुसार बीएसएफ की स्थानीय टुकड़ियों की मदद से हालात पर काबू पाने की कोशिशें की जा रही हैं।

वक्फ संशोधन एक्ट को लेकर भड़की हिंसा- हिंसा की शुरुआत मुस्लिम-बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान हुई। देखते ही देखते यह प्रदर्शन मालदा, दक्षिण 24 परगना और हुगली तक फैल गया, जहां आगजनी, पथराव और सड़क जाम जैसी घटनाएं देखने को मिलीं।

हिंदू परिवारों ने किया पलायन - सूत्रों ने बताया कि हिंसा के दौरान कई हिंदू परिवारों को मुर्शिदाबाद छोड़कर मालदा की ओर पलायन करना पड़ा, जिससे हालात और अधिक संवेदनशील हो गए। प्रशासन ने मुर्शिदाबाद के हिंसा-प्रभावित इलाकों में इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं।

जिनपिंग ने चाइनीज एयरलाइंस को सुनाया सख्त फरमान, क्या होने वाला है अमेरिका का बड़ा नुकसान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ वॉर ने दुनिया की अर्थव्यवस्था में खलबली मचा रखी है। अमेरिका और चीन के बीच रिश्ते तो बहुत बिगड़ चुके हैं। अमेरिका ने चीन पर 145 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है। बदले में चीन ने भी अमेरिका पर 125 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसी बीच चीन ने अमेरिका को तगड़ा झटका दिया है।

चीन ने अपनी एयरलाइंस को अमेरिकी कंपनी बोइंग से जेट की डिलीवरी नहीं लेने का आदेश दिया है। चीनी सरकार ने अपने एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वे अमेरिका से एयरक्राफ्ट से जुड़ी मशीनें और पार्ट्स की खरीद भी रोक दें।

इन विमानों का अब क्या होगा?

एविएशन फ्लाइट्स ग्रुप के आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 10 बोइंग 737 मैक्स विमान चीनी एयरलाइन बेड़े में शामिल होने के लिए तैयार है, जिनमें चाइना सदर्न एयरलाइंस कंपनी, एयर चाइना लिमिटेड और जियामेन एयरलाइंस कंपनी के दो-दो विमान शामिल हैं।

कुछ विमान अमेरिका के सिएटल में बोइंग के फैक्ट्री बेस के पास खड़े हैं, वहीं, अन्य पूर्वी चीन के झोउशान में फिनिशिंग सेंटर में मौजूद हैं। बता दें कि चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एविएशन बाजार है। बोइंग ने साल 2018 में कुल विमानों में से 25 फीसदी से ज्यादा चीन को सप्लाई किए थे, लेकिन साल 2019 में दो विमान के क्रैश होने के बाद चीन ने सबसे पहले बोइंग 737 मैक्स को ग्राउंड किया था।

टैरिफ को लेकर आमने-सामने दोनों देश

गौरतलब है कि अमेरिका ने शनिवार को फोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर चीन सहित अन्य देशों पर लगाए गए पारस्परिक शुल्क से छूट दी। चीन का साफ तौर पर कहना है अमेरिका टैरिफ को लेकर एकतरफा फैसला ले रहा है। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि चीन की कोशिश है वो अमेरिका को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाए।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में आया तेज भूकंप, पहाड़ से गिरने लगे पत्थर; दहशत में लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के दक्षिण कैलिफोर्निया में सोमवार सुबह तेज भूकंप आया। इस भूकंप की तीव्रता 5.2 थी, भूकंप के झटकों लोग सहम उठे। भूकंप से सैन डिएगो के बाहर ग्रामीण इलाकों में सड़कों पर पत्थर गिरने लगे। साथ ही अलमारियों और दीवारों से सामान भरभरा कर गिरने लगा। अच्छी बात ये रही कि इस भूकंप से फिलहाल जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (स्तर) के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 10:08 बजे आया और इसका केंद्र सैन डिएगो काउंटी में था, जो जूलियन से केवल कुछ मील (4 किलोमीटर) दूर है।

मुझे लगा खिड़कियां टूट जाएंगी- साथ ही इस भूकंप के बाद कई छोटे झटके भी महसूस किए गए। वहीं भूकंप को लेकर जूलियन में 1870 के दशक में संचालित एक गोल्ड माइन के मालिक पॉल नेल्सन ने अपना बयान साझा किया है, उन्होंने कहा, मुझे लगा कि घर की खिड़कियां टूट जाएंगी, क्योंकि वे काफी हिल रही थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कंपन के कारण काउंटर पर रखे फोटो फ्रेम नीचे गिर गए। लेकिन पर्यटकों को देखी जा सकने वाली सुरंगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

नेल्सन ने आगे बताया रविवार को लगभग दो दर्जन पर्यटक बंद पड़ी खदान का दौरा कर रहे थे, तब एक छोटा भूकंप आया था, लेकिन सभी लोग शांत रहे।

स्कूली बच्चों को बाहर निकाला गया-

वहीं सैन डिएगो काउंटी के कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन के कैप्टन थॉमस शूट्स ने भूकंप को लेकर बताया कि जब जमीन हिलने लगी तो एहतियात के तौर पर स्कूली बच्चों को इमारतों से बाहर निकाल दिया गया। उन्हें कंपन का अलर्ट मिला और फिर उन्हें चीजों के लुढ़कने और टकराने का एहसास होने लगा। उन्होंने कहा, 'चारों ओर बहुत हलचल और हलचल थी। लेकिन शुक्र है कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है।'

सैन डिएगो काउंटी में कैलिफोर्निया परिवहन विभाग ने बताया कि टीमें संभावित क्षति का पता लगाने के लिए सड़कों की जांच कर रही है।

Jeff Bezos ने मंगेतर को कराई अंतरिक्ष की सैर, Katy Perry भी थीं साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष पर्यटन कराने वाली कंपनी ब्लू ओरिजिन के संस्थापक जेफ बेजोस ने सोमवार को मंगेतर लारेन सांचेज को अपनी कंपनी के रॉकेट न्यू शेपर्ड से अंतरिक्ष की सैर कराई। इस सफर में सिगर कैटी पेरी समेत पांच अन्य महिलाएं भी उनके साथ थीं। सभी छह अंतरिक्ष पर्यटक महिलाएं थीं।

ब्लू ओरिजिन द्वारा किए गए लाइव प्रसारण के अनुसार चालक दल ने स्थानीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे वेस्ट टेक्सास से उड़ान भरी। 10 मिनट के इस सफर के दौरान राकेट कार्मन लाइन तक गया जो पृथ्वी की सतह से 100 किलोमीटर ऊपर का क्षेत्र है। इस क्षेत्र के बाद बाहरी अंतरिक्ष शुरू होता है। उड़ान के बाद अंतरिक्षयान की धरती पर सुरक्षित वापसी हुई।

इन लोगों ने की अंतरिक्ष की सैर- अंतरिक्ष की सैर करने वाली महिलाओं में कैटी पेरी, बेजोस की मंगेतर सांचेज, पत्रकार गेल किंग, फिल्म निर्माता केरियन फ्लिन, विज्ञानी अमांडा गुयेन और पूर्व नासा इंजीनियर आइशा बोवे भी शामिल थीं। अंतरिक्ष में जाने वाली प्रथम महिला वेलेंटीना तेरेश्कोवा की अंतरिक्षयात्रा के बाद यह पहली महिला अंतरिक्ष उड़ान थी।

परमाणु सपना छोड़ो वरना झेलो हमला, ईरान को ट्रंप की सख्त चेतावनी; बोले- ये कट्टरपंथी लोग हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि इसे परमाणु हथियार के अपने सपने को भूलना होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो फिर हमले के लिए तैयार हो जाए। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब वॉशिंगटन और तेहरान के बीच परमाणु समझौते को लेकर एक चरण की वार्ता हो चुकी है और अगले चरण की इस शनिवार को होनी है।

पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, वे हमें बहका रहे हैं। ईरान जानबूझकर अमेरिका के साथ परमाणु समझौते में देरी कर रहा है। ईरान या तो परमाणु हथियार की तरफ एक भी कदम ना बढ़ाए या फिर तेहरान के परमाणु ठिकानों पर सैन्य हमले के लिए तैयार हो जाए। ईरान को परमाणु हथियार का सपना भी नहीं देखना चाहिए और जो देखा है उसे भूलना होगा।

इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने कहा कि दोनों पक्षों के साथ मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान से मिले आग्रह पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी गई है।

म्यांमार और तिब्बत के बाद नेपाल में लगे भूपंक के झटके, जानें कितनी रही तीव्रता

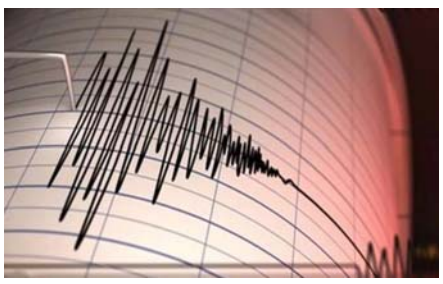

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूकंप आने का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भी भूकंप आया जिससे वहां की धरती डोल गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर नेपाल में आए भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई है। लोगों में दहशत का माहौल है, वो अपने घरों से बाहर निकल आए।

ये भूकंप उस समय आया जब लोग सो रहे थे और उन्हें एहसास हुआ कि उनके पलंग हिल रहे हैं। एनसीएस के अनुसार, नेपाल में भूकंप 25 किमी की गहराई पर आया, जिस वजह से तेज झटके महसूस हुए। ह्यूस्ट्स के मुताबिक, ये भूकंप सुबह 4:30 बजे आया। वहीं जापान में भी भूकंप आया जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.6 मापी गई है।

इन भूकंप से होता ज्यादा नुकसान- जो भूकंप ऊपर-ऊपर आता है गहरे भूकंपों की तुलना में खतरनाक होते है क्योंकि पृथ्वी की सतह के नजदीक होने पर उनकी ऊर्जा ज्यादा निकलती है, जिससे ज़मीन ज़्यादा हिलती है और संरचनाओं को ज्यादा नुकसान होता है और हताहत होते हैं, जबकि गहरे भूकंप सतह पर आने पर ऊर्जा खो देते हैं।

म्यांमार में आया था 7.7 तीव्रता का भूकंप- इससे पहले म्यांमार में 28 मार्च को आए 7.7 रिक्टर स्केल के भूकंप ने भारी तबाही मचाई जिसमें 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग लापता और घर से बेघर हो गए। भारत ने म्यांमार और थाईलैंड की हर संभव मदद की। साथ ही तिब्बत में भी कुछ दिन पहले भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

ट्रंप के टैरिफ के बाद यूरोप में सस्ते चीनी माल की भरमार, EU को सता रहा ये डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन कई वर्षों से यूरोप के लिए आर्थिक चुनौती बना हुआ है। लेकिन, अब यह आर्थिक आपदा बन सकता है। चीन बड़े पैमाने पर सस्ते सामान का उत्पादन करता है। इनमें भारी सब्सिडी वाले इलेक्ट्रिक वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स, खिलौने, वाणिज्यिक स्टील जैसे उत्पाद शामिल हैं। लेकिन, कारोबार की दुनिया में इसका अधिकांश हिस्सा अमेरिकी बाजार के लिए था।

अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इनमें से कई वस्तुओं पर 145 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इससे यह डर बढ़ रहा है कि चीन के सस्ते माल से यूरोप पट जाएगा, जिससे फ्रांस, जर्मनी, इटली और शेष यूरोपीय संघ में स्थानीय उद्योग कमजोर हो जाएंगे।

व्यापार युद्ध के चक्रव्यूह में फंसा यूरोप- यूरोपीय संघ के ये देश अब खुद को चीन के साथ ट्रंप के बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच खुद को फंसा हुआ पाते हैं। उनके नेता आत्मसमर्पण और टकराव के बीच एक महीन रेखा पर खड़े हैं, ताकि वे अतिरिक्त नुकसान से बच सकें।

काउंसिल ऑन फारेन रिलेशंस की वाशिंगटन स्थित फेलो लियाना फिक्स ने कहा कि चुनौती को आने में काफी समय लगा है, लेकिन यह आखिरकार यूरोपीय राजधानियों तक पहुंच ही गई है। यूरोप में एक आम चलन और भावना है कि इस समय यूरोप को अपने लिए खड़ा होना होगा और अपनी रक्षा करनी होगी।

ऑटो सेक्टर को टैरिफ से अस्थायी राहत देने पर विचार कर रहे ट्रंप, चीन ने बढ़ाया अपना निर्यात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह ऑटो सेक्टर को पारस्परिक टैरिफ से अस्थायी रूप से छूट दे सकते हैं, ताकि कार निर्माताओं को अपनी आपूर्ति श्रृंखला को समायोजित करने का समय मिल सके।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं आटो निर्माता कंपनियों की मदद करने के लिए कुछ सोच रहा हूं। उनको मेक्सिको और अन्य स्थानों से उत्पादन स्थानांतरित करने के लिए समय चाहिए। वे अमेरिका में उत्पादन करने जा रहे हैं, लेकिन उन्हें थोड़ा समय चाहिए।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैरिफ से नहीं मिलेगी राहत- इस बीच, स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रानिक उत्पादों को पारस्परिक टैरिफ के दायरे से बाहर करने के बाद ट्रंप ने कहा है कि व्यापार के मामले में कोई भी देश शुल्क से बच नहीं पाएगा। टैरिफ में कोई अपवाद नहीं है। चीन से आने वाले स्मार्टफोन, लैपटाप और अन्य इलेक्ट्रानिक उत्पाद अब भी 20 प्रतिशत शुल्क के अधीन हैं और इन वस्तुओं को एक अलग श्रेणी में ले जाया जा रहा है। हम अन्य देशों, विशेषकर चीन जैसे शत्रुतापूर्ण व्यापारिक राष्ट्रों के बंधक नहीं बनेंगे।

बाद में एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह अगले सप्ताह सेमीकंडक्टर पर नए टैरिफ की घोषणा करेंगे।

इस साल जमकर बरसेंगे बादल, सामान्य से अधिक बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। अप्रैल के महीने में ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस बीच मानसून को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अच्छी खबर दी है।

भारतीय मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि इस मानसून में भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं, पूरे मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति की संभावना को खारिज कर दिया।

इस साल सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत में चार महीने के मानसून मौसम (जून से सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, तथा संचयी वर्षा दीर्घ अवधि औसत 87 सेमी का 105 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसून वर्षा से जुड़ी अल नीनो की स्थिति इस बार विकसित होने की संभावना नहीं है।

किसानों के लिए अच्छी खबर- भारत एक किसान प्रधान देश है। कृषि क्षेत्र के लिए मानसून महत्वपूर्ण है। कृषि देश की लगभग 42.3 प्रतिशत आबादी की आजीविका का आधार है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में 18.2 प्रतिशत का योगदान देता है।

पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, 21 अप्रैल तक गिरफ्तारी पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनी आईएएस रहीं पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर 21 अप्रैल तक रोक लगा दी है। उन पर सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी करने और गलत तरीके से ओबीसी व दिव्यांग कोटे का लाभ लेने का आरोप है।

21 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई- पूजा खेडकर के वकील ने दलील दी कि दिल्ली सरकार द्वारा दाखिल जवाब पर प्रत्युत्तर प्रस्तुत कर दिया है। मगर यह रिकॉर्ड पर नहीं आया है। इस पर न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने गौर किया और मामले को 21 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। इसके अलावा न्यायालय की रजिस्ट्री से यह सत्यापित करने को कहा कि क्या खेडकर का प्रत्युत्तर दाखिल किया गया है?

शीर्ष अदालत ने मानी वकील की दलील- खेडकर के वकील ने कहा कि 15 जनवरी को गिरफ्तारी से दिया गया संरक्षण अगली सुनवाई तक बढ़ा दिया जाए। अदालत ने उनकी इस दलील को मान लिया और 21 अप्रैल तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

25 फीट गहरी खाई में गिरी बस, पहिए में फंसने से एक बच्ची की मौत और कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के कोच्चि में राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस ने कंट्रोल खो दिया, इस वजह से बड़ा हादसा हो गया। बस कंट्रोल खोने से सड़क किनारे 25 फीट की खड़ी चढ़ाई में गिर गई और साथ ही 15 साल की लड़की नीचे गिर गई, जिस वजह से उसकी मौत हो गई और लगभग 25 अन्य लोग घायल हुए हैं। अग्निशमन और बचाव अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अग्निशमन अधिकारी ने इस मामले में कहा-उन्होंने कहा कि दुर्घटना में विंडशील्ड टूटने के बाद बस में बैठी लड़की पहले वाहन के सामने गिरी और फिर उसके अगले पहिये के नीचे फंस गई।

कैसी है घायलों की हालत- एर्नाकुलम जिले के कवलंगड पंचायत में स्थित दुर्घटनास्थल पर अग्निशमन और बचाव कर्मियों के पहुंचने के बाद ही उसे बस के नीचे से निकाला जा सका। अधिकारी ने कहा कि घायलों में से किसी की हालत गंभीर नहीं है।

बस में कुल 45 यात्री थे सवार- जब दुर्घटना हुई, तब बस में 45 से अधिक यात्री थे। बस इडुक्की जिले के कुमिली से एर्नाकुलम जा रही थी। अधिकारी ने कहा कि बस का पिछला हिस्सा मोड़ पर सड़क किनारे की चारदीवारी से टकरा गया।

नवजात की चोरी पर रद हो अस्पताल का लाइसेंस, बच्चों की तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों की तस्करी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। अदालत ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर यूपी सरकार और इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकार लगाई है। अदालत ने बच्चों की तस्करी को रोकने और बाल तस्करी अपराधों से जुड़े मामलों से निपटने के लिए राज्य सरकारों के लिए व्यापक दिशा-निर्देश निर्धारित किए।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि सभी राज्य सरकारें हमारी विस्तृत सिफारिशों पर गौर करें और भारतीय संस्थान द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का अध्ययन करें तथा उसे जल्द से जल्द लागू करें।

क्या बोला कोर्ट- न्यायालय ने निर्देश दिया कि सभी आरोपी आत्मसमर्पण करेंगे और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा और यह अनिवार्य किया कि आरोप तय होने के एक हफ्ते के अंदर आरोप तय किए जाएं। कोर्ट ने आगे कहा, हाई कोर्ट को कम से कम ऐसी शर्तें लगानी चाहिए थीं, जिनमें आरोपियों को स्थानीय पुलिस स्टेशन में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होती। हाई कोर्ट ने जमानत आवेदनों को लापरवाही से निपटाया और इसके कारण कई आरोपी फरार हो गए। यूपी सरकार ने क्यों नहीं की कोई अपील - अदालत ने आगे कहा, हम पूरी तरह से निराश हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को कैसे संभाला और कोई अपील क्यों नहीं की गई। कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई।

बच्चा चोरी हो तो रद करें लाइसेंस- सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के लिए सख्त निर्देश जारी किए। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई नवजात शिशु चोरी होता है तो अस्पतालों का लाइसेंस रद कर दिया जाना चाहिए।

यदि कोई महिला अस्पताल में बच्चे को जन्म देने आती है और बच्चा चोरी हो जाता है, तो पहला कदम लाइसेंस निलंबित करना होना चाहिए।

मीलॉर्ड, पतियों के लिए सिरदर्द बना ये कानून..., याचिकाकर्ता ने कोर्ट में किया विदेश का जिक्र तो SC ने लगा दी क्लास

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दहेज उत्पीड़न और भरण-पोषण प्रावधानों को लिंग-तटस्थ यानी जेंडर न्यूट्रल बनाने के लिए दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हम कानून नहीं बना सकते और इस पर विचार करना सांसदों का काम है।

दरअसल, मामला ये है कि घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के मामलों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए भारतीय कानून में सेक्शन 498 रखा गया है। इस कानून के तहत अगर पति या उसके परिवार वाले महिला को प्रताड़ित करते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट में दलील दी है कि इस कानून के जरिए पुरुषों को परेशान किया जा रहा है। याचिकाकर्ता की तर्क पर कोर्ट ने जवाब दिया कि 498 कानून समानता के खिलाफ नहीं है, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाया गया है, जो कि संविधान के आर्टिकल 15 के तहत पूरी तरह वैध है।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. के. सिंह इस मामले पर सुनवाई कर रहे थे। कोर्ट ने कहा कि अगर कुछ मामलों में इस कानून का दुरुपयोग हुआ है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि पूरे कानून को ही गलत मान लिया जाए। हर केस की जांच अलग से होनी चाहिए, और अगर कोई महिला इस कानून का गलत इस्तेमाल करती है, तो उस पर कार्रवाई की जा सकती है।

एनजीओ के वकील ने कहा कि भारत में घरेलू हिंसा के मामले केवल महिलाएं ही दर्ज करा सकती हैं, जबकि विदेशों में पति भी ऐसे मामले दर्ज करा सकते हैं और भरण-पोषण की मांग कर सकते हैं।

इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने वकील से कहा, तो आप चाहते हैं कि हम कानून बनाएं। कानून बनाना न्यायालय का काम नहीं है।

इस उद्देश्य के लिए सांसद इस पर विचार करने के लिए हैं। हम किसी प्रावधान को सिर्फ इसलिए नहीं हटा सकते क्योंकि उसके दुरुपयोग के उदाहरण हैं।

देश की पुलिस बल में महिलाओं की कितनी भागीदारी? चौंकाने वाली रिपोर्ट आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पुलिस बल में महानिदेशक (डीजीपी) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) जैसे वरिष्ठ पदों पर 1,000 से भी कम महिलाएं हैं, जबकि पुलिस बल में कार्यरत सभी महिलाओं में से 90 प्रतिशत महिलाएं कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं।

टाटा ट्रस्ट द्वारा शुरू की गई और कई सामाजिक संगठनों एवं डाटा भागीदारों द्वारा समर्थित इंडिया जस्टिस रिपोर्ट (आईजेआर)-2025 में इसकी जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट में चार क्षेत्रों - पुलिस, न्यायपालिका, जेल और कानूनी सहायता में विभिन्न राज्यों के प्रदर्शन को परखा गया।

इस मामले में कर्नाटक सबसे आगे- रिपोर्ट के अनुसार, कानून लागू कराने में लैंगिक विविधता की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता के बावजूद एक भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश पुलिस बल में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाया है। मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट में न्याय प्रदान करने के मामले में 18 बड़े और मध्यम आकार के राज्यों में कर्नाटक को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य बताया गया है। इस राज्य ने 2022 तक अपना स्थान बरकरार रखा।

960 महिलाएं आईपीएस रैंक में - कर्नाटक के बाद आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु का स्थान रहा। पांच दक्षिणी राज्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर विविधता, बुनियादी ढांचे और स्टाफिंग के कारण दूसरे राज्यों से बेहतर प्रदर्शन किया। रिपोर्ट में पुलिस पदानुक्रम में लैंगिक असमानताओं को भी रेखांकित किया गया है। पुलिस में 2.4 लाख महिलाओं में से केवल 960 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) रैंक में हैं, जबकि 24,322 गैर-आईपीएस अधिकारी जैसे उप अधीक्षक, निरीक्षक या उप-निरीक्षक पदों पर हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वतीया

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

छात्रों के लिए दसवीं कक्षा के बाद कौन सी स्ट्रीम चुननी है, यह निर्णय लेना बहुत महत्वपूर्ण होता है...

छात्रों के लिए दसवीं कक्षा के बाद कौन सी स्ट्रीम चुननी है, यह निर्णय लेना बहुत महत्वपूर्ण होता है। उनका पूरा जीवन इस एक निर्णय पर निर्भर करता है। 11वीं कक्षा में वे जो विषय चुनते हैं, वही उन्हें मास्टर डिग्री तक ले जाता है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विषय का चयन बहुत सोच-विचार के बाद किया जाए।

छात्रों के लिए दसवीं कक्षा के बाद कौन सी स्ट्रीम चुननी है, यह निर्णय लेना बहुत महत्वपूर्ण होता है। उनका पूरा जीवन इस एक निर्णय पर निर्भर करता है। 11वीं कक्षा में वे जो विषय चुनते हैं, वही उन्हें मास्टर डिग्री तक ले जाता है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विषय का चयन बहुत सोच-विचार के बाद किया जाए। इस चयन के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विद्यार्थी को अपनी रुचि का पता होना चाहिए। हर छात्र को यह समझ होती है कि उसे किस विषय में रुचि है। किसी को विज्ञान में रुचि है, किसी को कला में, तो किसी को वाणिज्य में। किसी भी छात्र के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि विषय चुनने के बाद क्या संभावनाएं हैं।

अपने बड़ों से सलाह अवश्य लें- अक्सर देखा जाता है कि छात्र अपनी रुचि को ध्यान में रखने के बजाय अपने दोस्तों की पसंद के अनुसार विषय चुनते हैं। वे सोचते हैं कि मैं भी वही विषय लूंगा जो मेरे मित्र ने लिया है। लड़कियों में यह अधिक आम है, यह सही नहीं है। विषय चुनने के लिए छात्र को अपने माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल के कैरियर मार्गदर्शन शिक्षक से परामर्श करना चाहिए। उस समय इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि उसकी रुचि किस विषय में है। दूसरे लोग उससे क्या अपेक्षा रखते हैं? इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह स्वयं क्या चाहता है। उसे यह भी पता होना चाहिए कि यदि वह विज्ञान स्ट्रीम लेता है तो क्या संभावनाएं हैं। इसी प्रकार, कला के बारे में भी सब कुछ जानना चाहिए।

गहन अध्ययन- आजकल अधिकतर छात्र प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी करते हैं। इन छात्रों का मन पहले से ही बना हुआ है। इसलिए, उनके लिए ऐसे विषयों का चयन करना बहुत फायदेमंद है जो उनकी परीक्षाओं में मददगार साबित होंगे। यदि 11वीं कक्षा में लिया गया विषय बीए में भी पढ़ा जाए तो यह गहन अध्ययन हो जाता है। प्रशासनिक परीक्षाओं में इस तरह का विषय चुने जाने पर विद्यार्थी के लिए बहुत लाभदायक होता है।

स्कूल मार्गदर्शन शिक्षक सहायता- यदि कोई छात्र सेना में भर्ती होना चाहता है, तो उसे यह पता होना चाहिए कि सेना अधिकारी बनने के लिए उसे कौन से विषय पढ़ने चाहिए, साथ ही उसे अपनी शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के लिए क्या करना चाहिए।

यह जानकारी हर स्कूल में उपलब्ध है। छात्र यह जानकारी गूगल से भी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें स्कूल का मार्गदर्शन शिक्षक सबसे अधिक मददगार हो सकता है। माता-पिता के लिए यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि वे छात्र को अपनी पसंद का विषय चुनने की अनुमति दें। जब माता-पिता अपने बच्चों पर अपनी पसंद थोपते हैं, तो परिणाम अक्सर अच्छे नहीं होते। बच्चे की रुचि ललित कलाओं में है और वे उसे विज्ञान की ओर ले जाते हैं। इस तरह बच्चा खुश नहीं रहता। वह हर समय दबाव में रहता है। इससे उसकी रचनात्मकता प्रभावित होती है।

कैरियर योजना बनाना आवश्यक है- जब तक एक छात्र मैट्रिकुलेशन परीक्षा पास कर लेता है, उसे पता होना चाहिए कि उसकी रुचि क्या है। उसके लिए एक कैरियर योजना बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। करियर योजना का मतलब है कि आपको कौन से विषय लेने चाहिए, आगे क्या संभावनाएं हैं और आपको उनके लिए कैसे तैयारी करनी चाहिए। उसके कैरियर प्लान में विकल्प होना बहुत महत्वपूर्ण है।

नन्दलाल बोस

नन्दलाल बोस आधुनिक भारतीय कला के अग्रदूतों में से एक थे तथा प्रासंगिक आधुनिकतावाद के प्रमुख व्यक्ति थे।

अबनिंद्रनाथ टैगोर के शिष्य , बोस अपनी भारतीय शैली की पेंटिंग के लिए जाने जाते थे। वे 1921 में शांतिनिकेतन के कला भवन के प्रिंसिपल बने। वे टैगोर परिवार और अजंता के भित्ति चित्रों से प्रभावित थे ; उनकी क्लासिक कृतियों में भारतीय पौराणिक कथाओं, महिलाओं और ग्रामीण जीवन के दृश्यों की पेंटिंग शामिल हैं। आज, कई आलोचक उनकी पेंटिंग्स को भारत की सबसे महत्वपूर्ण आधुनिक पेंटिंग्स में से एक मानते हैं। 1976 में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण , संस्कृति विभाग, भारत सरकार ने उनके कामों को नौ कलाकारों में शामिल किया, जिनके काम, पुरातन वस्तु न होते हुए भी, अब से उनके कलात्मक और सौंदर्य मूल्य को ध्यान में रखते हुए कला खजाने माने जाने लगे।

उन्हें भारत के संविधान को चित्रित करने का काम दिया गया था

प्रारंभिक जीवन- नंदलाल बोस का जन्म 3 दिसंबर 1882 को बिहार राज्य के मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर में एक मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था । परिवार मूल रूप से पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के जेजुर से था। उनके पिता पूर्ण चंद्र बोस उस समय दरभंगा एस्टेट में काम कर रहे थे। उनकी माँ खेत्रमनी देवी एक गृहिणी थीं, जो युवा नंदलाल के लिए खिलौने और गुड़िया बनाने में माहिर थीं। अपने शुरुआती दिनों से ही नंदलाल ने चित्र बनाने और बाद में पूजा पंडालों को सजाने में रुचि लेना शुरू कर दिया था।

1898 में, पंद्रह वर्ष की आयु में, नंदलाल सेंट्रल कॉलेजिएट स्कूल में अपनी हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए कलकत्ता चले गए। 1902 में अपनी परीक्षाएँ पास करने के बाद, उन्होंने उसी संस्थान में अपनी कॉलेज की पढ़ाई जारी रखी। जून 1903 में उन्होंने एक पारिवारिक मित्र की बेटी सुधीरादेवी से विवाह किया। नंदलाल कला का अध्ययन करना चाहते थे, लेकिन उन्हें उनके परिवार ने इसकी अनुमति नहीं दी। अपनी कक्षाओं में पदोन्नति के लिए अर्हता प्राप्त करने में असमर्थ, नंदलाल अन्य कॉलेजों में चले गए, 1905 में वाणिज्य का अध्ययन करने के लिए प्रेसीडेंसी कॉलेज में शामिल हुए। बार-बार असफल होने के बाद, उन्होंने अपने परिवार को कलकत्ता के स्कूल ऑफ़ आर्ट में कला का अध्ययन करने के लिए राजी किया।

आजीविका- एक युवा कलाकार के रूप में, नंदलाल बोस अजंता गुफाओं के भित्तिचित्रों से बहुत प्रभावित थे। वे शास्त्रीय भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने की चाह रखने वाले कलाकारों और लेखकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह का हिस्सा बन गए थे; एक ऐसा समूह जिसमें पहले से ही ओकाकुरा काकुज़ो , विलियम रोथेनस्टीन , योकोयामा ताइकन , क्रिस्टियाना हेरिंगम , लॉरेंस बिन्योन , अबनिंद्रनाथ टैगोर और अग्रणी लंदन आधुनिकतावादी मूर्तिकार एरिक गिल और जैकब एपस्टीन शामिल थे।

1930 में नमक पर ब्रिटिश कर का विरोध करने के लिए महात्मा गांधी की गिरफ्तारी के अवसर को चिह्नित करने के लिए , बोस ने गांधीजी की लाठी के साथ चलते हुए एक काले और सफेद लिनोकट प्रिंट बनाया। यह अहिंसा आंदोलन के लिए एक प्रतिष्ठित छवि बन गई।

नंदलाल बोस द्वारा शीर्षकहीन , 1954, कागज पर कोलाज और स्याही, डीएजी संग्रहालय- उनकी प्रतिभा और मौलिक शैली को गगनेंद्रनाथ टैगोर , आनंद कुमारस्वामी और ओसी गांगुली जैसे कलाकारों और कला समीक्षकों ने मान्यता दी । इन कला प्रेमियों ने महसूस किया कि चित्रकला के विकास के लिए वस्तुनिष्ठ आलोचना आवश्यक थी और उन्होंने इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट की स्थापना की ।

वह 1921 में टैगोर के अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शांतिनिकेतन में कला भवन (कला महाविद्यालय) के प्राचार्य बने।

जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें भारत सरकार के पुरस्कारों के लिए प्रतीक चिन्हों का रेखाचित्र बनाने के लिए भी कहा था , जिसमें भारत रत्न और पद्म श्री शामिल हैं । अपने शिष्य राममनोहर के साथ, नंदलाल बोस ने भारत के संविधान की मूल पांडुलिपि को सुशोभित/सजाने का कार्य किया। 16 अप्रैल 1966 को शांतिनिकेतन में प्राकृतिक कारणों से उनकी मृत्यु हो गई।

आज, दिल्ली में राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी में उनके 7000 कार्य संग्रहित हैं, जिनमें महात्मा गांधी को दर्शाती दांडी मार्च की 1930 की एक ब्लैक एंड व्हाइट लिनोकट और सात पोस्टरों का एक सेट शामिल है, जिसे उन्होंने बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1938 के हरिपुरा सत्र के लिए महात्मा गांधी के अनुरोध पर बनाया था।

भारतीय कला में उनका स्थान- क्रिस्टी की सूची के लिए अपने परिचय में आर. शिव कुमार ने लिखा- नंदलाल बोस (1882-1966) आधुनिक भारतीय कला के इतिहास में एक ऐसा स्थान रखते हैं जो पुनर्जागरण के इतिहास में राफेल और ड्यूरर के विचारों को जोड़ता है। राफेल की तरह, नंदलाल एक महान संश्लेषणकर्ता थे, उनकी मौलिकता भारत में एक नए कला आंदोलन के निर्माण के लिए अबनिंद्रनाथ टैगोर , रवींद्रनाथ टैगोर , ईबी हैवेल , आनंद कुमारस्वामी , ओकाकुरा काकुजो और महात्मा गांधी से प्राप्त अलग-अलग विचारों को एक अद्वितीय और एकीकृत कार्यक्रम में संगठित करने की उनकी क्षमता में निहित थी। और ड्यूरर की तरह उन्होंने भक्ति की सीमा पर एक जुनून को एक अदम्य विश्लेषणात्मक दिमाग के साथ जोड़ा जिसने उन्हें विभिन्न कला परंपराओं को खोलने और उनके वाक्यविन्यास तर्क को उजागर करने और उन्हें भारतीय कलाकारों की एक नई पीढ़ी के लिए सुलभ बनाने के लिए मजबूर किया। लेकिन उन्होंने यह सब इतनी शांति से और बिना किसी आत्म-मुखर आडंबर के किया कि उनके काम का महत्व भारत में भी अभी तक पूरी तरह से समझा नहीं जा सका है।

सम्मान और पुरस्कार- नंदलाल बोस, जिन्होंने भारतीय कला पर एक प्रमुख छाप छोड़ी, 1907 में स्थापित इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति के पहले प्राप्तकर्ता थे।

1954 में, वे ललित कला अकादमी , भारत की राष्ट्रीय कला अकादमी के फेलो चुने जाने वाले पहले कलाकार बने । 1954 में, नंदलाल बोस को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया ।

1957 में कलकत्ता विश्वविद्यालय ने उन्हें मानद डी.लिट. की उपाधि प्रदान की। विश्वभारती विश्वविद्यालय ने उन्हें देशिकोत्तम की उपाधि प्रदान करके सम्मानित किया।

कलकत्ता स्थित ललित कला अकादमी ने नंदलाल को रजत जयंती पदक से सम्मानित किया। नंदलाल बोस को 1965 में एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल द्वारा टैगोर जन्म शताब्दी पदक प्रदान किया गया।

आचार्य नंदलाल , कलाकार पर एक भारतीय वृत्तचित्र फिल्म 1984 में हरिसाधन दासगुप्ता द्वारा बनाई गई थी।

एसबीआई ने दिया ग्राहकों को बड़ा तोहफा, इतने रुपये कम हो जाएगा आपका लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसबीआई यानी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने लोन ब्याज दर घटाई है। जिससे अब लोग कम ब्याज दर लोन ले पाएंगे। वहीं ब्याज दर घटने से ईएमआई भी कम हो जाएगी। बैंक ने ये फैसला रेपो रेट में कटौती के बाद लिया है।

हाल ही में हुई एमपीसी मीटिंग के दौरान आरबीआई ने ये फैसला लिया कि वे रेपो रेट में कटौती करेंगे। 2025 में अब तक रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती हो चुकी है। इस कटौती का असर इनडायरेक्टली लोन ब्याज दर और एफडी के फ्लोटिंग रेट और फिक्स्ड रेट पर देखने को मिलता है।

रेपो रेट में कटौती के बाद अब सभी बैंक लोन के ब्याज दर धीरे-धीरे रिवाइज कर रहे हैं।

कितना कम हो जाएगा आपका लोन - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने लोन ब्याज दर को 0.25 फीसदी घटाने का फैसला किया है। बैंक द्वारा रिवाइज किया ब्याज दर 15 अप्रैल यानी आज से ही लागू हो जाएगा। ये गिरावट हर तरह के लोन में देखने को मिल सकती है। ब्याज दर में हुई इस गिरावट से आपकी हजारों रुपये की बचत हो सकती है।

बैंक ने अपने ईबीएलआर को 8.65 फीसदी कर दिया है। पहले ये 8.90 फीसदी हुआ करता था। इसके साथ ही बैंक का नया RLLR 8.25 फीसदी दर्ज किया गया है। पहले ये 8.50 फीसदी था। हालांकि बैंक की ओर से CRP (Credit Risk Premium) में कोई बदलाव नहीं किया है।

सीआरपी को भी ब्याज दर तय करने पर शामिल किया जाता है।

उदाहरण के लिए मान लीजिए आपने एसबीआई से 20 साल के लिए 8.25 फीसदी रिटर्न के हिसाब से 10 लाख रुपये का लोन लिया है। तो आपको पहले 8,521 रुपये ईएमआई के रूप में देना होता था। लेकिन अब ये ब्याज दर 8 फीसदी हो गई है। अब आपको 8,364 रुपये ईएमआई पर देने होंगे।

इन बैंकों ने भी घटाई ब्याज दरें- एसबीआई से पहले ही कई बैंक लोन ब्याज दर में घटा चुके हैं। ये बदलाव रेपो रेट में कटौती के बाद किया है। अब तक पंजाब नेशनल बैंक, यूको, बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक ने भी लोन ब्याज दर घटाया है। रेपो रेट में कटौती कर देश की केंद्रीय बैंक यानी आरबीआई महंगाई कम करने की कोशिश करती है।

6 साल के निचले स्तर पर आई रिटेल महंगाई, खाने-पीने की चीजें हुई सस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई के मोर्चे पर थोड़ी राहत भरी खबर है। सब्जियों तथा प्रोटीन वाले प्रोडक्ट्स की कीमतों में कमी के कारण रिटेल महंगाई दर में मार्च के महीने में गिरावट देखी गई। मार्च में रिटेल महंगाई घटकर 3.34 प्रतिशत पर रही, जो कि पिछले महीने फरवरी में 3.61 प्रतिशत पर थी। वहीं, जनवरी महीने में महंगाई 4.31त्न और पिछले साल मार्च में 4.85 प्रतिशत पर रही थी। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। बता दें कि यह आंकड़ा बाजार अनुमान से काफी बेहतर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, फूड इन्फ्लेशन नवंबर 2021 के बाद सबसे कम पर है। इसका मतलब है कि खाने-पीने से संबंधित सामानों की कीमतों में गिरावट आई है।

क्या है डिटेल - कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित, फूड महंगाई दर मार्च में 2.69 प्रतिशत रही, जबकि फरवरी में यह 3.75 प्रतिशत और मार्च, 2024 में 8.52 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक मोनेटरी पॉलिसी तैयार करते समय मुख्य रूप से रिटेल महंगाई पर गौर करता है। आरबीआई ने पिछले सप्ताह प्रमुख रेपो रेट को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

1 साल की एफडी में इन बैंकों में मिलेगा सबसे ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिक्स्ड डिपॉजिट को एफडी भी कहा जाता है। हमारा पोर्टफोलियो हमेशा सुरक्षित और असुरक्षित दोनों ही निवेश प्लेटफॉर्म का मिश्रण होना चाहिए। तभी एक मोटा फंड तैयार किया जा सकता है। इसके साथ ही गारंटी रिटर्न का लाभ भी मिल जाता है।

सुरक्षित निवेश प्लेटफॉर्म के रूप में एफडी अच्छा विकल्प होगा। आमतौर पर सभी बैंक एफडी की अवधि के अनुसार एक जैसा रिटर्न ऑफर करते हैं। इनमें थोड़ा बहुत ही अंतर देखने को मिलता है। लेकिन ये थोड़ा ही फर्क बड़ा अमाउंट हो सकता है।

उदाहरण के लिए राम द्वारा चुना गया बैंक की तुलना में दूसरा बैंक 0.50 फीसदी ज्यादा रिटर्न दे रहा है। इसमें निवेश राशि 1 लाख रुपये हैं और निवेश अवधि 1 साल मानी गई है। तो राम को कम ब्याज लेने पर 5000 रुपये का नुकसान होगा।

इसलिए जब भी आप एफडी में निवेश करने का सोचे, तो सभी बैंक की एफडी दर चेक कर लें।

कौन-सा बैंक दे रहे हैं सबसे ज्यादा रिटर्न - कोटक महिंद्रा बैंक- देश की दिग्गज प्राइवेट बैंक 1 साल की एफडी में नीचे बताए गए सभी बैंकों से ज्यादा रिटर्न दे रहा है। ये बैंक 1 साल की एफडी में 7.1 फीसदी ब्याज ऑफर कर रहा है।

फेडरल बैंक- ये बैंक एक साल की एफडी में 7 फीसदी तक रिटर्न दे रहा है। आप यहां भी निवेश कर सकते हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा- ये प्राइवेट बैंक 1 साल की एफडी में 6.85 फीसदी ब्याज ऑफर कर रहा है। जो कि यूनियन बैंक से 0.05 फीसदी ज्यादा है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया - यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भी 1 साल की एफडी में 6.8 फीसदी तक ब्याज ऑफर करता है।

SBI और ICICI बैंक- ये दोनों ही बैंक 1 साल की एफडी पर 6.7 फीसदी तक ब्याज ऑफर कर रहे हैं।

HDFC बैंक- एचडीएफसी बैंक ऊपर बताए गए सभी बैंकों में सबसे कम ब्याज दर ऑफर कर रहा है। ये बैंक 1 साल की एफडी में 6.6 फीसदी रिटर्न देता है।

एफडी के अलावा कहां करें निवेश- एफडी के अलावा भी आप पोस्ट ऑफिस द्वारा ऑफर किए गए कई स्कीम में निवेश कर सकते हैं। जैसे सीनियर सिटीजन स्कीम में आपको एफडी से कई अधिक रिटर्न मिल जाता है।

तो क्या 1.30 लाख रुपये हो जाएगा सोना? ट्रेड वॉर और मंदी की आशंका से बढ़ेगी कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि ट्रेड वॉर के चलते सोने की कीमतें और बढ़ सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ये कीमतें 4,500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती हैं। इस हिसाब से सोना 1.30 लाख रुपये रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच सकता है।

अभी सोने का भाव 3,247 डॉलर प्रति औंस है। इस तरह कीमतों में लगभग 38 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। गोल्डमैन सैक्स ने अमेरिकी-चीन व्यापार युद्ध और मंदी की आशंकाओं को देखते हुए यह अनुमान लगाया है। 12 अप्रैल को दिल्ली सराफा बाजार में सोने के दाम 6,250 रुपये उछलकर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए थे।

साल के अंत तक बढ़ सकती हैं रिकॉर्ड कीमतें- गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि अगर हालात बहुत खराब होते हैं तो 2025 के अंत तक सोने की कीमतें 4,500 डालर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। इसके अलावा, उसका यह भी कहना है कि सामान्य स्थिति में भी सोने की कीमतें 2025 के अंत तक 3,700 डॉलर प्रति औंस तक बढ़ सकती हैं। गोल्डमैन सैक्स ने 2025 के अंत के लिए सोने के टारगेट में तीसरी बार बदलाव किया है।

इससे पहले, इस विदेशी बैंक ने सोने की कीमत का टारगेट 3,300 डालर प्रति औंस तय किया था।

पहले होम लोन चुकाएं या एसआईपी में शुरू करें निवेश; किसमें मिलेगा ज्यादा फायदा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज कोई भी महंगी वस्तु जैसे कार या घर खरीदने के लिए लोन का सहारा लेना पड़ता है। क्योंकि लोन लेने से आप वस्तु खरीद भी लेते है और इसका असर आपकी सेविंग पर नहीं पड़ता। हालांकि आपको घर या कार का अमाउंट के साथ ब्याज भी देना पड़ जाता है।

आमतौर पर होम लोन की अवधि लंबे समय के लिए होती है। हर कोई चाहता है कि उसकी ईएमआई कम हो जाए या लोन जल्द से जल्द पूरा हो। अगर आपके पास कही से एकमुश्त पैसे आते हैं, तो इससे कुछ हद तक होम लोन चुकाया जा सकता है। वहीं इन पैसों को एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में निवेश कर मोटा फंड तैयार कर सकते हैं। लेकिन किसमें आपको ज्यादा फायदा मिलेगा?

अगर आप कोई भी लोन अवधि पूरी होने से पहले चुकाते हैं, तो ऐसी स्थिति में आपको प्री-क्लोजर फीस चुकानी होगी। जिससे इनडायरेक्टली आपको ही नुकसान होगा। हालांकि लोन पेमेंट पूरी होने के बाद आप जो पैसा अब तक उधार चुकाने में लगा रहे थे। उसे कहीं और निवेश कर भविष्य के लिए मोटा फंड तैयार कर सकते हैं।

इसके साथ ही आप लोन का कुछ प्रिंसिपल अमाउंट चुकाकर इसकी ईएमआई भी कम कर सकते हैं। लेकिन इसमें भी कई बैंक चार्ज या शुल्क लेते हैं। हालांकि इसे लेकर अलग-अलग बैंक के अलग-अलग नियम है।

अगर इन पैसों को लोन चुकाने की जगह म्यूचुअल फंड एसआईपी में लगाया जाता है। तो इन पैसों का इस्तेमाल आप भविष्य में लोन खत्म करने में कर सकते हैं। खासकर तब, जब आपके पास कम अमाउंट है। म्यूचुअल फंड में न्यूनतम अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी होता है।

कंपनी करने जा रही बड़ी अधिग्रहण, खबर आते ही शेयर पर टूटे निवेशक, 62 पर आया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉल-कैप स्टॉक वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस लिमिटेड में मंगलवार को इंट्रा डे ट्रेड में 6त्न से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई। वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस के शेयर आज कारोबार के दौरान 62.40 रुपये पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी खबर है। दरअसल, वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस लिमिटेड ने एआई सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म में बहुमत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए टर्म शीट पर साइन करने की जानकारी दी है।

डील की डिटेल- वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस ने कहा कि उसने एक ऑटोमेशन इंटेलिजेंस बेस्ड उद्यम, भारत के पहले डीप-टेक एआई-संचालित ऑटोनॉमस सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म में बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए टर्म शीट पर साइन किए हैं। वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस के अनुसार यह अधिग्रहण कानूनी और वित्तीय परिश्रम के सफल समापन के तहत है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

भूख हड़ताल पर बैठे संत की तबीयत बिगड़ी, बीपी बढ़ा

भिंड। हाइवे को सिक्सलेन बनाने, गो अभ्यारण की मांग को लेकर शहर के खंडा रोड पर संतों का अखंड आंदोलन छठवें दिन भी जारी रहा। इस मांग को लेकर आठ संतों की भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। वहीं अन्न त्यागकर धरने पर बैठे संत प्रेमदास महाराज गोहद की अचानक से तबीयत बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना था कि संत का बीपी बढ़ा हुआ है। अखंड आंदोलन के छठवें दिन कांग्रेस के उपनेता प्रतिपक्ष एवं अटेर विधायक हेमंत कटारे मंगलवार को कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ आंदोलन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने संतों के समक्ष हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हुए भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह किया। उपनेता प्रतिपक्ष कटारे ने कहा कि मुझे कल ही पता चला कि कुछ संतों ने हाइवे की मांग को लेकर अन्न का त्याग दिया है। ये सुनते मुझसे रहा नहीं गया। मुझे यहां

आने में देरी हुई, इसके लिए आप मुझे क्षमा करें।

उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे संतों से निवेदन करते हुए कहा कि गर्मी बहुत है आप लोग अगर कुछ खाएंगे नहीं तो बीमार पड़ जाएंगे।

अगर आप लोगों को कुछ हो गया तो यह चंबल संभाग ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए शर्म की बात होगी। उन्होंने कहा कि आप तो आदेशित करें।

मुझे नहीं लगता कि किसी भी जनप्रतिनिधि में आपके आदेश की अवहेलना करने का साहस होगा।

इसका जवाब देते हुए संत समाज के जिलाध्यक्ष कालिदास महाराज ने कहा कि हम चाहते हैं कि जिस तरह से अटेर के विधायक यहां आए हैं।

इसी तरह से जिले के सभी विधायक यहां आएं और हाइव को सिक्सलेन बनाने और गो अभ्यारण की मांग को जोरशोर से उठाएं।

रही बात आंदोलन समाप्त करने की तो जब तक हमें इस हाइवे का निर्माण कार्य कब तक शुरू होगा इसका पत्र नहीं मिल जाता ये आंदोलन समाप्त नहीं होगा।

हाइवे क्रमांक 719 की देश में मौत के हाइवे के नाम से पहचान बन रही

कटारे कांग्रेस उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा कि ग्वालियर से इटावा हाइवे क्रमांक 719 की देश में मौत के हाइवे के नाम से पहचान बन रही है। हम सभी जनप्रतिनिधियों को एकजुट होकर इस कलंक को मिटाने के लिए प्रयास करने होंगे। मैं, किसी का नाम नहीं लूंगा, लेकिन वर्तमान व पूर्व जनप्रतिनिधियों को संतों के बीच में खड़ा होना चहािए। मुझे नहीं लगता कि इस हाइवे के निर्माण को लेकर मिलने वाले आश्वासनों से कुछ होगा। अब समय आ गया है कि हाइवे निर्माण का काम शुरू कब से होगा इसका दिनांक तय होना चाहिए।

MPESB: प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 20 से 29 अप्रैल तक, टाइम टेबल घोषित

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की ओर से प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 20 अप्रैल से शुरू होगी, जो 29 अप्रैल तक चलेगी। ईएसबी ने रविवार को विषय वार परीक्षा की समय-सारिणी घोषित कर दी है। इसमें प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक (गायन, वादन व नृत्य) के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षक (विषय) के लिए परीक्षा होगी। सबसे पहले माध्यमिक स्कूल शिक्षक के लिए हिंदी विषय की परीक्षा होगी।

इसके बाद सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, गणित, संस्कृत और अंग्रेजी विषयों के लिए शिक्षक चयन की परीक्षा होगी।

प्रदेश के 13 शहरों में यह परीक्षा होगी। इसमें 1.60 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे।

परीक्षा दो पाली में होगी। इसमें पहली पाली की परीक्षा सुबह नौ से 11 बजे तक होगी।

वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक होगी।

परीक्षा शुरू होने के तीन दिन पहले अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे।

इन बातों का रखें ध्यान मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य है। जैसे-वोटर आइडी, पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट में से कोई एक पहचान पत्र साथ लाना आवश्यक है।

परीक्षा में प्रवेश और परीक्षा के दौरान बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य रहेगा।यदि परीक्षार्थी मूल पहचान पत्र नहीं लाते हैं, तो उन्हें परीक्षा से वंचित किया जा सकता है।परीक्षार्थियों को निर्धारित रिपोर्टिंग समय तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी।देरी से आने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।परीक्षा हाल में किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रानिक उपकरण, जैसे मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लाग टेबल, डिजिटल घड़ी या नकल सामग्री लाना पूर्णतः प्रतिबंधित है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश की तर्ज पर मध्य प्रदेश के सतना में लगे 'बायकॉट इजरायल प्रोडक्ट' के पोस्टर

सतना। पाकिस्तान और बांग्लादेश में इजरायल की कंपनियों से जुड़े सामानों के बहिष्कार के बाद अब सतना में ÷बायकाट इजरायल प्रोडक्ट के पोस्टर लगने से हड़कंप मच गया। सुबह सतना शहर के वार्ड क्रमांक 36 स्थित नजीराबाद क्षेत्र के कई घरों के बाहर दीवारों पर यह पोस्टर लगे नजर आए।

मामले में एसडीएम राहुल सिलाड़िया का कहना है कि पोस्टर लगाने का मामला जानकारी में आया है। जांच के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के अनुसार पोस्टर लगाने जैसा मामला अब तक संज्ञान में नहीं आया है।पूरी बस्ती में पोस्टर लग गए किसी को भनक तक नहीं जानकारी के अनुसार देर रात अज्ञात लोगों ने बस्ती क्षेत्र में यह पोस्टर चिपकाए हैं। क्षेत्रीय लोग इन पोस्टरों को लेकर अनभिज्ञ नजर आए। कहा कि रातों-रात शहर में पोस्टरों को कौन लगा गया है?

सुबह जब लोग उठकर अपने घरों के बाहर निकले तो उनके घरों के बाहर 'बायकाट इजरायल प्रोडक्ट' के पोस्टर चस्पा मिले। स्थानीय लोगों के अनुसार यह सारे पोस्टर रातों-रात ही लगाए गए हैं और जिसकी जानकारी किसी को भी नहीं हो पाई है।

पोस्टरों को लगाने के मामले में अब तक कोई भी धार्मिक, राजनीतिक व सामाजिक संगठन का नाम सामने नहीं आया है। चिंताजनक यह है कि पूरी बस्ती में पोस्टर लग गए और किसी को भनक तक नहीं लगी।

अब तक ऐसे पोस्टर इजरायल द्वारा किए गए मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ विरोध व्यक्त करने के रूप में सामने आते रहे हैं। बीते दिनों बांग्लादेश में भी विरोध प्रदर्शन किए थे। पोस्टर सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर ये पोस्टर किसने लगवाए हैं।

झोलाछाप डॉक्टर के यहां मिला ऐलोपैथी दवाइयों का जखीरा, एनेस्थीसिया के इंजेक्शन

सागर। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने देवरी में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। झुनकू पंचायत के संजय नगर में तीन अवैध क्लीनिकों पर छापा मारकर उन्हें सील कर दिया गया।

इस कार्रवाई से पूरे नगर में हड़कंप मच गया और कई झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकानें बंद कर फरार हो गए। अधिकारियों ने अवैध रूप से चल रहे क्लीनिकों में एलोपैथी दवाइयां और अनधिकृत इलाज की शिकायतों के आधार पर यह कदम उठाया। डॉ. समीर विश्वास के क्लीनिक पर छापा

कार्रवाई की शुरुआत बस स्टैंड के पास स्थित डॉ. समीर विश्वास के क्लीनिक से हुई। नायब तहसीलदार चंद्रभान दीवान, मेडिकल ऑफिसर डॉ. पराग, डॉ. अवधेश लोधी और पुलिस बल की टीम जब क्लीनिक पहुंची, तो वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे। उनका कंपाउंडर अधिकारियों को देखकर भाग गया। जांच के दौरान क्लीनिक में एलोपैथी दवाइयां, एंटीबायोटिक्स और सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले एनेस्थीसिया इंजेक्शन मिले।

डॉ. अवधेश लोधी ने बताया कि ये दवाइयां केवल विशेषज्ञ डॉक्टर ही उपयोग कर सकते हैं, लेकिन क्लीनिक में कोई वैधानिक दस्तावेज नहीं मिले। केवल इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सर्टिफिकेट लगा था, फिर भी मरीजों का इलाज एलोपैथी से किया जा रहा था। अधिकारियों ने पंचनामा कार्रवाई कर दवाइयां जब्त कीं और क्लीनिक को सील कर दिया।

महिला मरीज की आपबीती

क्लीनिक में माने गांव की एक महिला मरीज आरती दांगी अपने पति के साथ इलाज के लिए आई थी। उसे पेट दर्द और उल्टी की शिकायत थी। आरती ने बताया कि सुबह 9 बजे से वह क्लीनिक में थी, लेकिन डॉक्टर नहीं आए। कंपाउंडर ने उसे तीन बोतल चढ़ाई और 1800 रुपये वसूल लिए, फिर भी कोई राहत नहीं मिली।

रोते हुए उसने कहा कि उनके पति मजदूरी करते हैं। इलाज के लिए 25 किलो चना बेचकर पैसे जुटाए थे। पति ने आरोप लगाया कि क्लीनिक में इलाज के नाम पर लूट हुई। पत्नी की हालत में सुधार नहीं हुआ।

अन्य क्लीनिकों पर भी कार्रवाई

टीम ने इसके बाद संजय नगर में डॉ. केसी पटेल और दामोदर पटेल के गुरुदत्त क्लीनिक पर छापा मारा। यहां भी एलोपैथी दवाइयां मिलीं, जिन्हें जब्त कर पंचनामा कार्रवाई की गई। दोनों क्लीनिकों को सील कर दिया गया।

नायब तहसीलदार चंद्रभान दीवान ने कहा कि कलेक्टर के निर्देश पर अवैध क्लीनिकों के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा।

कार्रवाई में शामिल अधिकारी

इस कार्रवाई में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से गोविंद बरदिया, आरक्षक राजीव तोमर और मनोहर सिंह शामिल थे। प्रशासन की इस सख्ती ने झोलाछाप डॉक्टरों में खौफ पैदा कर दिया है और मरीजों की सुरक्षा के लिए ऐसी कार्रवाइयों की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भीम जन्मस्थली डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) में कार्यक्रम को किया संबोधित

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 20वीं शताब्दी में ऐसे अनेकों उल्लेखनीय कार्य किए, जिनसे 1000 वर्ष की गुलामी की विसंगतियां दूर हुई। इन्हीं के आधार पर आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना है। डॉ. अम्बेडकर के जीवन के योगदान बहुआयामी हैं, उन्हें भारत में भविष्य की चुनौतियों का आभास हो चुका था, यद्यपि उनका जीवन बहुत कठिनाई के साथ बीता, लेकिन वे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने स्वयं के संघर्ष से सीख ली और अपने जैसे दूसरे लोगों की मदद की। बाबा साहब ने स्वयं की शिक्षा में कोई कसर नहीं रहने दी, इससे यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा में कभी कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर द्वारा समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए किए गए कार्य भूतो न भविष्यति हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज भीम जन्मस्थली डॉ. अम्बेडकर नगर महू में आयोजित भीम जयंती महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहब ने समूचे समाज को आरक्षण जैसी व्यवस्था प्रदान की। आज अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित हर वर्ग को साक्षरता का लाभ मिल रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग की साक्षरता जो कभी मात्र 1.5 प्रतिशत थी, आज 59 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भविष्य में जब-जब कठिनाई आएगी, हम सर्वहारा वर्ग के सशक्तिकरण का ध्यान रखेंगे। डॉ. अम्बेडकर ने सामाजिक सशक्तिकरण के लिए मजबूत संविधान बनाया और देश को लोकतंत्र दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. अम्बेडकर से जुड़े सभी स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता दी। महू स्थित भीम जन्मभूमि को तीर्थ के रूप में विकसित करने में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री सुंदरलाल पटवा और श्री शिवराज सिंह चौहान का योगदान महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भीम जन्मस्थली महू में धर्मशाला निर्माण के लिए साढ़े तीन एकड़ जमीन दी जा रही है। इससे यहां आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, सभी आगंतुकों की संपूर्ण सुविधा का प्रबंध राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। राज्य सरकार ने सर्वहारा वर्ग और प्रदेश के किसानों को समृद्ध बनाने के लिए डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना शुरू की है। अगर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग का कोई व्यक्ति दूध डेयरी खोलेगा, तो उसे हमारी सरकार द्वारा 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से एक दिन पहले ही भीम जन्मस्थली डॉ. अम्बेडकर नगर महू को नई ट्रेन की सौगात मिली है। अब महू शहर सीधा देश की राजधानी दिल्ली से जुड़ गया है। इस रेलगाड़ी की शुरुआत का लाभ कोटा के साथ-साथ मालवा क्षेत्र के इंदौर, उज्जैन और देवास को भी मिलेगा।

निवेश का झांसा देकर हो रही ठगी, अब तक 1 करोड़ रुपये से अधिक की लग चुकी है चपत

इंदौर। साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाया है। टास्क जॉब और शेयर निवेश के नाम पर लोगों को झांसा देकर लाखों रुपये लूटे जा रहे हैं। छोटे-छोटे मुनाफे का लालच देकर पहले भरोसा जीता जाता है, फिर भारी रकम ठग ली जाती है।

इस साल जनवरी से मार्च तक क्राइम ब्रांच को मिली शिकायतों में करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपये की ठगी का खुलासा हुआ है। सोशल मीडिया पर फर्जी नौकरी के विज्ञापनों के जरिए लोग ठगों के जाल में फंस रहे हैं।कैसे शुरू होती है ठगी ठग सोशल मीडिया पर पार्ट-टाइम टास्क जॉब का लालच देते हैं। विज्ञापनों में होटल, मूवी या यूट्यूब चैनल को रेटिंग देने जैसे आसान काम का झांसा दिया जाता है। संपर्क करने पर पहले छोटी राशि जमा करवाई जाती है।

टास्क पूरा होने पर यह राशि मुनाफे सहित लौटाई जाती है, जिससे पीड़ित का भरोसा बढ़ता है। इसके बाद ठग शेयर ट्रेडिंग और क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का लालच देते हैं। पीड़ित को एक ग्रुप में जोड़ा जाता है और उनके मोबाइल पर फर्जी ऐप डाउनलोड करवाया जाता है। फर्जी ऐप में जमा राशि कई गुना मुनाफे के साथ दिखाई जाती है, जिससे लोग और पैसा निवेश करते हैं। जब पीड़ित पैसा निकालने की कोशिश करते हैं, तो उनसे टैक्स या अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त राशि मांगी जाती है। भुगतान न करने पर पैसा डूब जाता है। क्राइम ब्रांच ने लोगों से अपील की है कि अनजान सोशल मीडिया विज्ञापनों पर भरोसा न करें। कोई भी निवेश करने से पहले उसकी प्रामाणिकता जांच लें। ठगी का शिकार होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें। साइबर ठगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

पद्मश्री डॉ. एन.एन. जैन राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता 16 अप्रैल से

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के डिपार्टमेंट ऑफ लॉ द्वारा 5वीं तीन दिवसीय पद्मश्री डॉ. एन.एन. जैन राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन 16 से आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश भर की 50 से अधिक टीमें अपनी कानूनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के प्रख्यात न्यायाधीशों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिवक्ता अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

डिपार्टमेंट ऑफ लॉ के निदेशक डॉ. निशांत जोशी ने बताया कि उद्घाटन समारोह 16 अप्रैल, बुधवार को आयोजित होगा। इस अवसर पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री विजय कुमार शुक्ला, उच्च न्यायालय के प्रधान रजिस्ट्रार श्री अनूप कुमार त्रिपाठी और इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. डॉ. वी.के. आहूजा मुख्य अतिथि तथा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

दो दिवसीय मिथिला लोक पर्व जुड़ शीतल की हुई शीतल शुरुआत

इंदौर। मिथिला की धरती की खुशबू और परंपरा का स्पर्श लिए दो दिवसीय लोकपर्व 'जुड़ शीतल' की शुरुआत आज शहर के प्रवासी मैथिल समुदाय द्वारा श्रद्धा, उल्लास और भावनात्मक अपनत्व के साथ की गई। यह पर्व मैथिली नववर्ष के स्वागत का प्रतीक है, जिसे पर्यावरण संरक्षण, पारिवारिक अनुशासन और सामाजिक सौहार्द से जोड़कर देखा जाता है।

आज सोमवार को 'सतुआइन' के रूप में पर्व का पहला दिन मनाया गया। प्रातःकाल से ही घरों की सफाई, स्नान और पूजन के उपरांत परिवार के ज्येष्ठ व वरिष्ठ परिजनों ने जल से भरे कलश पर मिट्टी के सरबे में सत्तू, गुड़ और आम का टिकुला (कच्ची कैरी) डालकर उसे पितरों को अर्पित किया। यह परंपरा पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का अद्भुत उदाहरण है।

इसके बाद घर के सभी सदस्यों ने चना सत्तू व गुड़ के मिश्रण से बने ठंडे पेय का सेवन किया, जो न केवल स्वास्थ्यवर्धक है, बल्कि शीतलता का प्रतीक भी माना जाता है। दोपहर व रात्रि में भात, चने की बेसन की बड़ी, सोयजन की सब्ज़ी, दलपुरी, खीर व अन्य पारंपरिक पकवानों का स्वाद चखते हुए पूरे परिवार ने मिलजुल कर उत्सव मनाया।

कल मंगलवार को 'जुड़ शीतल' का मुख्य दिन मनाया जाएगा, जिसे मैथिली नववर्ष के आगमन के रूप में विशेष महत्व दिया जाता है। परंपरा के अनुसार प्रातः घर के बुजुर्ग छोटे सदस्यों के सिर पर बासी जल का छींटा डालकर आशीर्वाद देंगे – जुड़ायल रहू। यह शुभकामना पूरे वर्ष मानसिक शांति, शारीरिक शीतलता और पारिवारिक समरसता की कामना के साथ दी जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रों और प्रोफेसरों को भारतीय संविधान में आस्था रखने की शपथ दिलायी

इंदौर। डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती एवं भारतीय संविधान सभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम नागरिक शपथ विधि समारोह का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में किया गया। अध्यक्षता नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने की। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आज भारतीय संविधान सभा के जनक डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्म जयंती है। जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। डॉ. यादव ने आगे कहा कि भारत को आजादी एक दिन में नहीं मिली। इसके लिये हमें वर्षों संघर्ष करना पड़ा। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी से लेकर कई क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर वर्षों की गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर डॉ अंबेडकर नगर स्थित स्मारक पहुंचे

इंदौर। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डॉ.अंबेडकर नगर (महू) स्थित बाबा साहब अंबेडकर की जन्मस्थली पर बने भव्य स्मारक पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. अंबेडकर जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने स्मारक का अवलोकन भी किया। उन्होंने यहां स्थित बाबा साहब के अस्थि कलश के दर्शन किए और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने भंते श्री धर्मशील के प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्री महेंद्र सिंह, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, श्री कैलाश जाटव सहित अन्य जन प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर बाबा साहब की जन्म स्थली डॉ. अम्बेडकर नगर महू में भीम जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। डॉ. अम्बेडकर नगर महू में राज्य शासन ने मेजबान बनकर श्रद्धालुओं की आवभगत मेहमानों की तरह की। श्रद्धालुओं और भंतों के रूकने की व्यवस्था की गई। निशुल्क भोजन कराया गया। शीतल जल की पर्याप्त व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रों और प्रोफेसरों को भारतीय संविधान में आस्था रखने की शपथ दिलायी

इंदौर। डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती एवं भारतीय संविधान सभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम नागरिक शपथ विधि समारोह का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में किया गया। अध्यक्षता नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने की। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आज भारतीय संविधान सभा के जनक डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्म जयंती है। जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। डॉ. यादव ने आगे कहा कि भारत को आजादी एक दिन में नहीं मिली। इसके लिये हमें वर्षों संघर्ष करना पड़ा। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी से लेकर कई क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर वर्षों की गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराया। भारत के संघर्ष का कार्य एक हजार वर्ष से भी अधिक पुराना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान के लोकतांत्रिक परम्पराएं, राष्ट्र की एकता और अखण्डता की शपथ दिलायी। छात्रों ने मेरा संविधान मेरा भारत के उद्घोष लगाये।

इंदौर में रासायनिक औद्योगिक आपदा मॉक अभ्यास 17 अप्रैल को

इंदौर। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार, मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग भोपाल तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में 17 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे एच.पी.सी.एल. एल.पी.जी प्लांट एबी रोड टोल प्लाज़ा के समीप राउखेड़ी इंदौर में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर आधारित मॉक अभ्यास का आयोजन किया जायेगा। इस मॉक अभ्यास का उद्देश्य औद्योगिक आपदाओं की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों को परखना एवं आम जनता में जागरूकता बढ़ाना है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

विक्रम विवि से जुड़े देशभर के पूर्व छात्र विश्वविद्यालय हित के लिए हर संभव कार्य करने को तत्पर

विश्वविद्यालय के सन 1974-1994 के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किया यह पूर्व छात्र सम्मेलन

उज्जैन । विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की सन् 1956 की स्थापना के साथ ही इसका अकादमिक कार्यक्षेत्र मध्यप्रदेश के अलावा उत्तरप्रदेश,राजस्थान, दिल्ली के साथ अन्य राज्यों तक फैला हुआ था और अब देश के विभिन्न क्षेत्रों में विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं ।ऐसा ही आयोजन आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में सम्पन्न हुआ जहां विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में अपने अध्यापन अनुभवों के साथ सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को साझा किया ।

विक्रम विश्वविद्यालय के सन 1974-1994के विद्यार्थियों द्वारा आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा शहर में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया।

गत कुछ समय से विक्रम विश्वविद्यालय का एल्युमिनी

एसोसिएशन काफी सक्रिय गतिविधियों में संलग्न रहा है।इसी श्रृंखला में दिनांक 13 अप्रैल 2025 को आंध्रप्रदेश में रहने वाले और विक्रम विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले सत्र 1974-1994 के विद्यार्थियों ने विजयवाड़ा शहर में एलिमिनी मीट का आयोजन किया।

इस आयोजन की जानकारी देते हुए श्री एस जोनलगड्डा (डरबन विश्वविद्यालय, साउथ अफ्रीका) ने बताया कि इस एल्युमिनी मीट का उद्देश्य विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को एक पटल के नीचे लाना और विश्वविद्यालय के हित के लिए योगदान पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व छात्र विश्वविद्यालय हित के लिए हर संभव कार्य करने को तत्पर है। उन्होंने ये भी बताया कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के 140 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने विद्यार्थियों की इस पहल का स्वागत करते हुए उन्हें विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में आमंत्रित किया, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के ये अनमोल रतन अपने-अपने क्षेत्र में महारत प्राप्त है और परिसर में इनके आगमन एवं विद्यार्थियों से संवाद स्थापित होने से विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय को अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा, विद्यार्थी नए प्रकार का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। अतः विश्वविद्यालय निरंतर अपने पूर्व छात्रों को बुलाकर उनका वर्तमान के विद्यार्थियों के साथ संपर्क करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने इस आयोजन पर आयोजकों को बधाई दी एवं उनसे इसे आयोजन की निरंतरता बनाए रखने की अपील की।

राष्ट्र हित में सकारात्मकता हमारे वुजूद की बुनियाद है- निज़ामी

उज्जैन। परिस्थितियां चाहे जो हों, हमें समझना होगा कि राष्ट्र हित में सकारात्मक रवैया हमारे वुजूद की बुनियाद है। नकारात्मकता के साथ जीवन मुमकिन नहीं हो सकता।

वर्तमान परिस्थितियों में मुसलमानों की भूमिका विषय पर संबोधित करते हुए यह बात सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय शायर, चिंतक और वक्ता अहमद रईस निज़ामी ने कही। आपने कहा कि वर्तमान परिस्थितियां बहुत विकट हैं। ऐसा महसूस होता है कि हमारे हाथ उलझे हुए रेशम से बंधे हुए हों और हमारे लिए ये समझ पाना मुश्किल हो रहा हो कि हम किस धागे को किससे किस तरह अलग करें।

उलझी हुई परिस्थितियों में सकारात्मकता नितांत आवश्यक होती है। हमें व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक रवैया अपनाते हुए अपनी भूमिका का निर्धारण करना होगा। राष्ट्र हित में हमारे पूर्वजों ने जो बुनियादी कार्य किए हैं उनके राष्ट्र व्यापी प्रभावों को सामने रख कर सही और ग़लत का आंकलन करना नितांत आवश्यक है, ताकि हम अपने लिए और नई नस्ल के लिए बेहतर रास्ता इख्तियार कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों में भी देश और देशवासियों के साथ सौहार्दपूर्ण सामंजस्य स्थापित करते हुए हमें अपनी भूमिका निभाने की आवश्यकता है। हमें याद रखना होगा कि अपने राष्ट्र, मानव मात्र और समाज के प्रति हमारी जो जिम्मेदारियां हैं उनके विषय में नकारात्मक सोच हमें सही रास्ते से भटका सकती है।

सांप्रदायिक टकराहट, नफ़रत और अशांति के प्रत्येक मार्ग से अलग रहते हुए परस्पर सौहार्द, प्रेम, मोहब्बत और स्नेहिल वातावरण का निर्माण नितांत आवश्यक है। यह हमारे देश का सौभाग्य है कि अधिकांश नागरिक राष्ट्र हित में समर्पित हो कर एक दूसरे के प्रति स्नेहिल हैं। प्राचीन परंपराओं का निर्वहन करते हुए हिन्दू समाज की बहुत बड़ी आबादी बड़े भाई की हैसियत से अपना किरदार अदा कर रही है। मुस्लिम समाज भी अपने हाथों में फूल लिए मोहब्बतों की खुशबू को आम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमें मिल जुल कर कुछ ऐसे प्रयास करना होंगे जिससे नफ़रतों के रास्ते बंद हों।

'अंकितग्राम', सेवाधाम आश्रम 125 बेटियों के विवाह में सहयोगी बना

शाजापुर जिले के जामनेर में कथावाचक पंडित श्रीराम शर्मा श्री केशरीनन्दन धाम, बड़वई के सान्निध्य में सर्वधर्म सनातनी हिंदू समाज द्वारा आयोजित 125 कन्याओं के सामूहिक विवाह सम्मेलन में अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम भी सहयोगी बना। आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल और कांता भाभीजी इस पावन अवसर पर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित रहे और सभी 125 बेटियों को चुनरी उढ़ाई एवं भोजन प्रसादी में सहयोग किया।

जननायक राष्ट्रभक्त फिल्म अभिनेता स्व. मनोज कुमार को भारत रत्न प्रदान किया जाए

उज्जैन। नगर की साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था निर्झर के अध्यक्ष डॉ. राजेश ठाकुर निर्झर ने एक प्रेस विज्ञप्ति ने बताया कि भारत माता के सच्चे सपूत जननायक राष्ट्रभक्त फिल्म अभिनेता, निर्माता, निर्देशक स्व. मनोज कुमार गोस्वामी को अपनी राष्ट्र भक्ति पूर्ण फिल्मों उपकार, शहीद, पूरब-पश्चिम, क्रांति के माध्यम से राष्ट्र प्रेम बंधुत्व गंगा जमुनी तहजीब स्नेह व मानवता की अविरल धारा को प्रवाहित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जो निश्चय ही सराहनीय व राष्ट्र के लिए सदैव प्रेरणादायी है जो भारतवासियों के हृदय में युगों-युगों तक राष्ट्र प्रेम का संचार करती रहेगी। युगों-युगों में ऐसा विरला राष्ट्र भक्त भारत कुमार जन्म लेता है, इस अभिनेता को पूर्व में भारत सरकार पद्मश्री व महाराष्ट्र सरकार फिल्म जगत के सर्वोच्च सम्मान प्रदान कर चुकी है। चूँकि स्व. मनोज कुमार इस संसार को अलविदा कह चुके है। वे सदैव अविस्मरणीय रहेंगे। उन्हें भारत रत्न प्रदान किया जाना राष्ट्र की सर्वोच्च व सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

डॉ. ठाकुर ने पत्र लिखकर भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर स्व. मनोज कुमार को भारत रत्न प्रदान किए जाने की माँग की है।

जैन संतों के साथ हुई घटना के विरोध में सकल जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

उज्जैन। सकल जैन समाज उज्जैन की तरफ से पूज्य जैन संतों के साथ जावद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कछला में हुई घटना के विरोध में माननीय मुख्यमंत्री के नाम से कलेक्टर कार्यालय में उज्जैन कलेक्टर प्रतिनिधि उद्धव डेराडी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन का वाचन सुनील श्रीमाल के द्वारा किया गया। इस घटना से सकल जैन समाज और सर्व समाज में घोर आक्रोश व्याप्त है।

ज्ञापन में माननीय मुख्यमंत्री महोदय से सकल जैन समाज ने निवेदन किया कि उक्त घटना को लेकर निष्पक्ष जांच प्रशासन करवा कर जो भी इस घटना के अपराधी हे उन पर कठोर कानूनी कार्यवाही करे । ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओ पर अंकुश लग सकें और पुनरावृति न हो सकें साथ ही यह भी मांग कि है कि, राष्ट्र की धरोहर इन जैन संतो के विहार के समय स्थानीय प्रशासन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने का कष्ट करें ।ज्ञापन लेने के बाद कलेक्टर प्रतिनिधि उद्धव डेराडी ने कहा कि सभी हिंदू धर्म को इसमें सहयोगी होना चाहिए और में निवेदन करुंगा कि जल्द से जल्द ये ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री को पहुंचा दिया जाए व इस पर कार्यवाही हो। पी आर ओ संदीप जैन ने बताया कि ज्ञापन में उज्जैन के सभी श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी श्री संघ, दिगंबर समाज श्री संघ, श्वेतांबर समाज मंदिर मार्गीय श्री संघ, समस्त जैन सोशल ग्रुप सहित सभी सामाजिक / धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सम्मिलित थे।

मासिक गोष्ठी में प्यासे पंछियों के लिए जलपात्र वितरित

उज्जैन। सरल काव्यांजलि संस्था की अप्रैल माह की मासिक गोष्ठी में रचना पाठ तो हुआ ही, गर्मी के मौसम में प्यासे पक्षियों को पानी पिलाने के लिए सदस्यों को मिट्टी के जल पात्र (सकोरे) भी वितरित किए गए। संस्था अध्यक्ष डॉक्टर संजय नागर ने बताया कि कार्यक्रम में संतोष सुपेकर, मानसिंह शरद, श्रीमती आशागंगा शिरढ़ोणकर, तरुण उपाध्याय, डॉ. सुरेश यादव और प्रदीप चौहान ने प्रभावी कविताएं पढ़ीं। रामचन्द्र धर्मदासानी और राजेंद्र नागर निरन्तर ने अपनी लघुकथाओं का पाठ किया। श्रीमती रश्मि मोयदे ने मुक्तक पढ़े। आशीष श्रीवास्तव अश्क, वी.एस. गहलोत साकित और डॉक्टर रफीक नागोरी ने प्रभावी ग़ज़लें पढ़ी।

अध्यक्षता करते हुए हिन्दी, मालवी की ख्यात साहित्यकार श्रीमती माया बदेका ने जलियांवाला बाग के शहीदों को नमन किया और भगतसिंह के विचारों को कवियों के समक्ष रखा। उन्होंने कार्यक्रम में पढ़ी गई हर रचना की समीक्षा भी की। प्रारम्भ में सरस्वती वंदना आशीष श्रीवास्तव अश्क ने प्रस्तुत की। अतिथि स्वागत डॉ. महेश कानूनगो, प्रदीप सरल, श्रीमती सुरेखा कानूनगो और एम.जी. मोयदे ने किया। राष्ट्रकवि श्रीकृष्ण सरल जी की कविता का वाचन नितिन पोल ने किया। संस्था की परम्परानुसार इस माह के जन्म दिवस वाले सदस्य डॉक्टर महेश कानूनगो का विशेष स्वागत हुआ।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com